हज यात्रियों की मृत्यु

776. **श्री विश्वास राव रामराव पाटिल** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बीस से अधिक हज यात्रियों की मृत्यु हो गई है और कुछ यात्री बीमार पड़े हैं ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ;

(ग) वहां पर इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होने के क्या कारण हैं ;

(घ) क्या वहां स्थित भारतीय दूतावास ने उनके उपचार के लिए कोई प्रबन्ध नहीं किए ;

(ङ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(च) क्या हजारों भारतीय नागरिक प्रतिवर्ष हज यात्रा पर जाते हैं लेकिन उन्हें वहां रहने का स्थान नहीं मिल पाता है ;

(छ) यदि हां, तो क्या भारत सरकार भविष्य में वहां पर कोई यात्री निवास बनाने के बारे में विचार कर रही है ; और

(ज) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर. एल. भाटिया) : (क) जी, हां ।

(ख) 46 भारतीय हज यात्रियों की मृत्यु होने की सूचना मिली है । विस्तृत विवरण संलग्न है (**नीचे देखिये**)

(ग) साउदी अरब में अपने प्रवास के दौरान हज यात्री खराब मौसम, वृद्धावस्था आदि के कारण बीमार पड़ जाते हैं । इस वर्ष जिन लोगों की मृत्यु हुई है वे पिछले वर्ष (84) या पिछले से पिछले वर्ष (101) के मुकाबले कम है ।

(घ) भारतीय राजदूतावास भारतीय हज यात्रियों के लिए चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराता है । हज यात्रियों के पहुंचने और वहां से रवाना होने के वक्त बन्दरगाह पर तथा हवाई अड्डे पर शिविरों में डिस्पेंसिरियां चलाई जाती हैं । मक्का में तो एक स्थायी भारतीय औषधालय है जिसमें एक चिकित्सा अधिकारी और दो भारतीय फार्मासिस्ट रहते हैं ; इसके अलावा भी हज के दिनों में जहां भारतीय हज यात्रियों की तादाद अधिक होती है उन जगहों पर तीन शाखा औषधालय भी स्थापित किए जाते हैं । मदीना में हज के मौसम में निरंतर एक औषधालय काम करता है । इन सभी औषधालयों में भारतीय डाक्टर और सहायक चिकित्सा कर्मचारी रहते हैं जिन्हें हज के दौरान भारत से भेजा जाता है । इलाज की व्यवस्था मुफ्त की जाती है । इस बार हज के मौसम में 6 जुलाई, 1992 तक 66,142 मौकों पर इलाज की सुविधा मुहैया कराई गई थी ।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता ।

(च) करीब 35 हजार भारतीय राष्ट्रिक हज के लिए जाते हैं जिसमें से कोई 24 हजार हज समिति बम्बई की व्यवस्था के अधीन जाते हैं और बाकी अपने आप हज समिति के प्रबन्धों के अन्तर्गत जाने वाले हाजियों के लिए रहने की जगह का इंतजाम पहले ही कर दिया जाता है । जो लोग अपने आप जाते हैं वे अपना इंतजाम भी खुद ही करते हैं ।

(छ) जी, नहीं ।

(ज) प्रश्न नहीं उठता ।

विवरण

हज 1992 के दौरान मरने वाले भारतीय हज यात्री

1. श्री सैदालू
   केरल

2. श्री अब्दुल गफ्फार
   राजस्थान

3. श्री चन बत्चा
4. श्री मोहम्मद सैफुद्दीन
5. श्री गनी खां पठान
6. श्रीमती कुलसुम
दिल्ली
7. श्री अब्दुल मजीद
राजस्थान
8. श्री पापामिया सईद
बम्बई
9. श्रीमती करीमन
राजस्थान
10. श्री अब्दुल सत्तारखां
कर्नाटक
11. श्री रहमतुल्ला
बाउडू मियां, उत्तर प्रदेश
12. श्रीमती खुर्शीदुन्नीसा
हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश
13. श्रीमती जमाल आयशा
तमिलनाडु
14. श्रीमती आयशा
केरल
15. श्री पटेल मोहम्मद इब्राहीम
गुजरात
16. श्री अब्दुल हमीद
दिल्ली
17. श्रीमती सहारा बानू
पश्चिम बंगाल
18. श्रीमती दया खादिजा
19. श्री जान मोहम्मद
उत्तर प्रदेश
20. श्री शेख अमीर जान
कर्नाटक
21. श्रीमती हफीजा खानम
कर्नाटक
22. श्रीमती शमीम
कर्नाटक
23. श्री बाशा
तमिलनाडु
24. श्री अब्दुल सत्तार
उत्तर प्रदेश
25. श्रीमती आयशा बी
तमिलनाडु
26. श्री मोहम्मद बरवहा
उत्तर प्रदेश
27. श्री नजीर अहमद
महाराष्ट्र
28. श्री अब्दुल हसन
उत्तर प्रदेश
29. श्री बीरन कामो
केरल
30. श्रीमती सकीना बेगम
उत्तर प्रदेश
31. श्रीमती जीबूबेन
गुजरात
32. श्रीमती फातिमा बीबी
गुजरात
33. श्री मोहम्मद अस्तोल
उत्तर प्रदेश
34. श्रीमती आयशा बेन
गुजरात
35. श्री मोहम्मद फजलुल्लाह
बंगलौर
36. श्री अब्दुल बहाव
बंगलौर
37. श्रीमती आयशा महमूद
कर्नाटक
38. श्री मोहम्मद इब्राहीम
तमिलनाडु
39. श्रीमती गुलाम फातिमा
जम्मू एवं कश्मीर
40. श्री अब्दुल रहमान
कर्नाटक
41. श्री उस्मान मूसा भाई
गुजरात

42. श्री तहसील दर
महाराष्ट्र

43. श्री इफ्तखार अहमद
महाराष्ट्र

44. श्री नजीर अहमद
कर्नाटक

45. हाजी कुन्ही मोहम्मद
केरल

46. श्री अबफार अहमेद नाज अन्सारी
दिल्ली

टिप्पणी (11 जुलाई, 1992 की स्थिति)

777. [*Transferred to the 22nd July, 1992*].

रियो में भारतीय और पाकिस्तानी प्रधान मंत्री की बैठक

778. **चौ. हरि सिंह :**
श्री शंकर दयाल सिंह :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या प्रधान मंत्री ने रियो में अवसर का लाभ उठाते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के साथ बैठक की थी और उसमें भारत-पाक सम्बंधों के बारे में विचार विमर्श किया था ;

(ख) क्या उनके साथ हुई बैठक में उसके देश के साथ लगती हुई सीमाओं पर तनाव को कम करने के बारे में विशेष रूप से चर्चा की गई थी ; और

(ग) यदि हां, तो उस पर पाकिस्तान के प्रधान मंत्री की प्रतिक्रिया क्या थी ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) विचारों के स्पष्ट आदान-प्रदान के दौरान समग्र द्विपक्षीय संबंधों पर विचार-विमर्श किया गया था। दोनों पक्षों ने यह मत प्रकट किया कि बाधाओं के बावजूद भी हमारी द्विपक्षीय बातचीत जारी रहनी चाहिए तथा तनाव को कम करने के उपाय किए जाने चाहिए।

Indo-Israel relationship

779. **SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA:**
SHRI BHUVNESH CHATURVEDI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what are the improvements in the Indo-Israeli relationship since establishing diplomatic relations with that country;

(b) what efforts have been made by both the Governments for mutual understanding on global issues and to strengthen bilateral relations; and

(c) by when the exchange of Ambassadors is likely to take place?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) Since the establishment of diplomatic relations with Israel on January 29, 1992, Embassies have been set up by both countries. Improvements in relations are expected in tourism, with an increased level of tourist traffic between the two countries, and in civil aviation, where there is possibility of commercial flights connecting India and Israel. There is expectation that trade levels will be higher. It is too early to specify concrete results or achievements.

(b) Diplomatic interaction is taking place, and is further marked by India's participation in the multilateral phase of the Middle East peace process.

(c) Ambassadors are expected to be in position soon.

Indian under CIA vigilance

780. **CHOWDHRY HARI SINGH:**
SHRI DIGVIJAY SINGH:
SHRI MOHINDER SINGH LATHER:
SHRI YASHWANT SINHA:
SHRI P. UPENDRA:
PROF. SAURIN BHATTACHARYA: